यूपी की अर्थव्यवस्था हुई दोगुनी फिर भी वन ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य चुनौती

योगी सरकार के 7 साल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी सरकार की नीतियों और उनके अनुपालन का ही परिणाम है कि वर्ष 2016-17 के मुकाबले राज्य का सकल घरेलू उत्पाद(जीएसडीपी) दोगुना होकर 25 लाख करोड़ तक पहुंच गया है।

राज्य सरकार ने 2027 तक प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इस पर सरकार ने गंभीरता से काम शुरू किया है लेकिन इस बड़े लक्ष्य को पाने के लिए सधी रणनीति के साथ तेजी से काम करना बड़ी चुनौती बना हुआ है।

लक्ष्य को पा सकती है सरकार: अर्थव्यवस्था पर पैनी नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था यानी राज्य की जीडीपी करीब 100 लाख करोड़ होनी चाहिए।

मौजूदा समय में प्रदेश की जीडीपी करीब 25 लाख करोड़ है, जिसमें चार गुना इजाफा होने पर यह लक्ष्य पाया जा सकेगा। पिछले करीब सात साल में प्रदेश सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और निवेश की जिस रणनीति पर काम किया है उससे इसे पाया जा सकता है।

करीब 34.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव जिसे धरातल पर उतारा जाना सुनिश्चित माना जा रहा है। इससे इस प्रयास को बड़ा बल मिलेगा। इस निवेश के साथ ही राज्य की जीएसडीपी करीब 60 लाख करोड़ पहुंच जाएगी।

अन्य क्षेत्रों के विकास को जोड़ने के बाद अर्थव्यवस्था में और इजाफा होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस लक्ष्य को 2027 तक तो नहीं लेकिन 2030 तक यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने में सफल हो सकती है।

यूपी के सकल घरेलू राज्य उत्पाद (जीएसडीपी) की करें तो 2016-17 में प्रदेश की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, इसकी तुलना में 2024-25 की जीएसडीपी 25 लाख करोड़ रुपये हो चुकी है। इसी के साथ यूपी देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन चुका है।

2019-20 में आई वैश्विक महामारी कोविड के बाद प्रदेश निरंतर 14 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर से प्रगति कर रहा है। इसमें भी सरकार का पूरा जोर सामाजिक एवं आर्थिक सेक्टर में पूंजीगत व्यय से विकास पर है।

सात साल में दोगुना हुआ यूपी का बजट आकार

साल दर साल यूपी के बजट का आकार बढ़ता ही जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो 2016-17 में प्रदेश का बजट जहां 3.46 लाख करोड़ रुपये का था वहीं 2024-25 का बजट इसके दोगुने से भी अधिक 7.36 लाख करोड़ रुपये का हो चुका है। 2024-25 का बजट उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन तथा वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की प्रधानमंत्री की संकल्पना का प्रतिनिधित्व करता है। यूपी के सकल घरेलू राज्य उत्पाद (जीएसडीपी) की बात करें तो 2016-17 में प्रदेश की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ रुपये थी, इसकी तुलना में 2024-25 की जीएसडीपी 25 लाख करोड़ रुपये हो चुकी है।

उपलब्धियां

- गुड गवर्नेंस इंडेक्टस 2021 में पहला स्थान
- एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स 2021 में दूसरा स्थान
- अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी की दर से बढ़ोतरी
- 250 बिलियन डालर से अधिक की जीएसडीपी
- 9.2 प्रतिशत योगदान देश की जीडीपी में
- 11.2 प्रतिशत निर्यात हिस्सेदारी
- पूंजी परिव्यय में 5.2 गुना वृद्धि

कुछ चुनौतियां भी

- अगले पांच साल में सरकार को 40 लाख करोड़ रुपये खर्च करने होंगे
- इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और भारी उद्योग पर भारी खर्च करना होगा
- सबसे पहले प्रदेश को अपनी सालाना विकास दर 30 से 35 प्रतिशत तक बढ़ानी होगी
- मौजूदा समय में यह विकास दर 13 से 14 फीसदी है
- जीएसडीपी के निवेश को 20 फीसदी से बढ़ाकर 43 से 47 प्रतिशत करना होगा
- निर्यात पर फोकस करना होगा